University in News on 03 May 2020

AMAR UJALA MY CITY Page 5

पीएचडी थीसिस जमा करने में मिल सकती है छूट

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के शोधार्थियों के लिए अच्छी खबर है। लॉकडाउन की वजह से अगर वे थीसिस जमा नहीं कर पाये हैं तो उन्हें छह महीने तक की राहत मिल सकती है। लविवि कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि यूजीसी ने पीएचडी विद्यार्थियों को थीसिस जमा करने की अवधि में छह महीने तक की छूट देने का निर्देश दिया है। लविवि ऐसे शोधार्थियों पर सहानुभूति पूर्वक विचार करेगा। ऐसे विद्यार्थियों को अपना लिखित आवेदन जमा करना होगा।

अतिरिक्त अधिष्ठाता छात्र कल्याण की नियुक्ति

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने अधिष्ठाता छात्र कल्याण की सहायता के लिए तीन अतिरिक्त अधिष्ठाता छात्र कल्याण की नियुक्ति की गई है। कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने जारी आदेश के अनुसार प्रो. अवधेश त्रिपाठी, रोली मिश्रा और डॉ. नागेंद्र कुमार मौर्य को अतिरिक्त अधिष्ठाता छात्र कल्याण नियुक्त किया गया है। ये तीनों अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन का सहयोग करेंगे।

i-Next Page 4

इंटरनेशनल हॉस्टल में योग शुरू

LUCKNOW : एलयू के बलरामपुर इंटरनेशनल हॉस्टल के विदेशी स्टूडेंट्स और निवेदिता महिला हॉस्टल के स्टूडेंट्स के लिए योगाभ्यास शुरू किया गया है. वीसी प्रो. आलोक कुमार राय के निर्देश पर योग संस्थान के टीचर डॉ. अमरजीत सिंह यादव, प्रशांत शर्मा व बॉबी ने स्टूडेंट्स को सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए योग कराया.

गर्भ संस्कार पर वेबीनार का आयोजन

एलयू में शनिवार को गर्भ संस्कार पर वेबनार का आयोजित हुए, जिसमें विदेश से डॉक्टरों एवं विशेषज्ञों ने लेक्चर दिए. वीमेन स्टडीज डिपार्टमेंट की कोऑर्डिनेटर अर्चना शुक्ला ने इसका आयोजन किया. कार्यक्रम का संचालन प्रो. मनुका खन्ना ने किया. इसे एलयू के कोर्स में भी शामिल किया जा सकता है.

ई-लर्निंग आज की जरूरत

एलयू की ई-कंटेंट कमेटी की ओर से वेबनार का आयोजन किया गया, जिसका विषय ई-लर्निंग आज की आवश्यकता था. इस दौरान वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने ई-लर्निंग के महत्व के बारे में बताया. फिजिक्स डिपार्टमेंट की हेड प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि ई-लर्निंग शिक्षकों एवं छात्रों के लिए कम समय और श्रम में अधिक परिणाम देने वाली है.

NBT Page 4

'आज की जरूरत है ई-लर्निंग'

■ एनबीटी,लखनऊः एलयू की ई-कंटेंट कमिटी की ओर से शनिवार को 'ई-लर्निंग आज की आवश्यकता' विषय पर वेबिनार हुआ। वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने मौजूदा समय में ई-लर्निंग की महत्ता को बताया। भौतिक विभाग की हेड प्रो. पूनम टंडन ने ई-लर्निंग प्रणाली को कम समय और श्रम में अनुकूल परिणाम देने वाला साधन बताया। अडिशनल डीन डॉ. किरण लता डंगवाल ने ई-लर्निंग को स्मार्ट स्टडी का साधन बताया। डॉ. विनीता प्रकाश प्रचार्या आईटी कॉलेज ने ई-लर्निंग पर आधारित शिक्षण को समय के साथ आगे बढ़ने का माध्यम बताया। कॉमर्स विभाग के प्रो. अवधेश त्रिपाठी ई-लर्निंग को आज की जरूरत बताया।

अंतरराष्ट्रीय छात्रावास में योगाभ्यास शुरू

■ एनबीटी, लखनऊः एलयू के बलरामपुर अंतरराष्ट्रीय छात्रावास और निवेदिता महिला छात्रावास के स्टूडेंट्स के लिए योगाभ्यास शुरू किया गया है। एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय के निर्देश पर योग संस्थान के शिक्षक डॉ. अमरजीत यादव और उनकी टीम के सदस्य प्रशांत शर्मा और बॉबी ने स्टूडेंट्स को योगाभ्यास करवाया। स्टूडेंट्स को तनाव से बचाने के लिए सत्र शुरू हुआ।

गर्भ संस्कार पर हुआ वेबिनार

■ एनबीटी, लखनऊः एलयू में शनिवार को गर्भ संस्कार पर हुए वेबिनार में विदेश से डॉक्टरों और विशेषज्ञों ने 'गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य मनोरंजन एवं दैनिक दिनचर्या' विषय पर लेक्चर दिया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. मनु का खन्ना ने किया। विमिन स्टडीज डिपार्टमेंट की को-ऑर्डिनेटर अर्चना शुक्ला ने बताया कि नए सेशन में गर्भ संस्कार पर नए कोर्स की शुरुआत की जा सकती है।

पीएचडी स्टूडेंट्स को थीसेस जमा करने में दी छूट

लॉकडाउन के अवधि में थीसीस पूर्ण होने वाले स्टूडेंट्स को मिलेगा फायदा

■ एनबाटी, लखनऊ : यूजीसी ने लॉकडाउन की वजह से पीएचडी स्टूडेंट्स को थीसेस जमा करने की छूट दी है। निर्देशानुसार सभी विश्वविद्यालयों में जिन भी पीएचडी स्टूडेंट्स की थीसेस जमा करने की समय सीमा लॉकडाउन में थी उन्हें छह महीने की छूट दी है। यूजीसी के निर्देश पर एलयू समेत सभी विवि ने विचार कर योजना बनाना शुरू कर दिया है।

स्टूडेंट्स थीसेस जमा करने में मिली छूट लाभ लेने के लिए अपने-अपने विवि में आवे करना होगा। इसमें उन पीएचडी स्टूडेंट्स को नहीं मिलेगी जिनकी थीसेस जमा करने की अव लॉकडाउन शुरू होने से पहले समाप्त हो गई केवल वही जिन्हें अप्रैल व मई में थीसेस जमा क थी उन्हें छह माह का अतिरिक्त समय दिया जाए

AMRIT VICHAR Page 2

लविवि शुरू करेगा गर्भ संस्कार पर पाठ्यक्रम

लखनऊ। बेटियों को गर्भ संस्कार की शिक्षा लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से शुरू की जायेगी। इस संबंध में विश्वविद्यालय में शनिवार को वुमेन्स स्टडी विभाग की ओर से पहली बार गर्भ संस्कार वेबिनार का आयोजन किया गया। इस वेबिनार के माध्यम से छात्राओं को गर्भ संस्कार की शिक्षा प्रदान की जायेगी। प्रवक्ता डॉ दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि कोऑर्डिनेटर अर्चना शुक्ला की ओर से वेबीनार आयोजित हुई है। उद्घाटन प्रो. आलोक राय ने किया। मुख्य अतिथि डॉ. नीलम ओहरी वाराणसी से डॉ मुकुल भल्ला जो कि डीन अमेरिकन इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी यूएसए और डॉ मधुरिमा प्रधान, दुर्गेश उपाध्याय काशी विद्यापीठ, डॉ अमिता पांडे केजीएमयू , श्वेता श्रीवास्तव एमिटी विश्वविद्यालय एवं अमरजीत योग डिपार्टमेंट लखनऊ विश्वविद्यालय से शामिल हुए।

HINDUSTAN Page 6

ऑनलाइन लर्निंग में 24 घंटे में दें छात्रों को जवाब

लविवि

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

ई-लर्निंग में घंटों कम्प्यूटर के सामने बैठकर पढ़ना छात्र के लिए बोझिल हो सकता है, लेकिन कुछ प्रयासों से इसे रुचिकर बनाया जा सकता है। यह कहना है बनारस हिन्दू विवि के प्रबंध शास्त्र संस्थान के निदेशक प्रो. सुजीत कुमार दुबे का। वह शनिवार को लविवि की ओर से ई-लर्निंगः आज की आवश्यकता विषय पर बोल रहे थे। प्रो. दुबे ने ई-लर्निंग को बेहतर बनाने के लिए तीन स्टेप का फॉर्मूला भी दिया।

यह है थ्री स्टेप फॉर्मूलाः प्रो. दुबे ने कहा कि ई-लर्निंग में सभी छात्रों को ग्रुप में बांटकर उन्हें अलग-अलग टास्क दिए जा सकते हैं। ग्रुप टास्क से छात्रों की रचनात्मकता बढ़ेगी। दूसरा, शिक्षकों के लिए जरूरी है कि वह छात्रों के सभी सवालों के जवाब जरूर दें।

उन्होंने कहा कि कोशिश करें कि 24 घंटे के अंदर छात्र को जवाब मिल जाए। जवाब छात्रों के व्यक्तिगतर स्तर पर उठाए गए सवालों के हिसाब से होने चाहिए। तीसरा कि फीडबैक जरूरी है। उन्होंने कहा कि छात्रों से उनके कमेंट जरूर लें और उनके जवाब भी दें।

लविवि में वेबनार में बोलते लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय और बीएचयू के प्रो सुजीत कुमार दुबे

पहला विश्वविद्यालय जो सभी को दे रहा ई-कंटेंट

एलयू के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि लविवि देश का पहला ऐसा राज्य विश्वविद्यालय है जिसका ई-कंटेंट सभी के लिए उपलब्ध है। दुनिया भर में कोई भी व्यक्ति उसका लाभ उठा सकता है। उन्होंने बताया कि 3000 से ज्यादा लोगों को ई-लाइब्रेरी की एक्सेस दी गई है।

ऐसे तैयार हो ई-कंटेंटः लविवि की डॉ. किरण लता डंगवाल ने कहा कि ई-लर्निंग के चार मानक हैं। पहला ई-टेक्स्ट, दूसरा ई-टेक्स्ट सेल्फ लर्निंग हो, यानी छात्र खुद समझ सकें। तीसरा, उसके बारे में और जानकारी प्राप्त करने में मदद मिले। चौथा है सेल्फ एसेसमेंट यानी छात्र मूल्यांकन करें।

गर्भ संस्कार का कोर्स अब ऑनलाइन

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

- लविवि में गर्भ संस्कार पर वेबनार का आयोजन
- देश-विदेश के डॉक्टरों और विशेषज्ञों का व्याख्यान

लविवि नए शैक्षिक सत्र से गर्भसंस्कार पर कोर्स शुरू करने जा रहा है। यह ऑनलाइन डिप्लोमा पाठ्यक्रम होगा। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि इस पाठ्यक्रम से लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। शनिवार को पहली बार आधिकारिक रूप से वेबनार के माध्यम से इसकी रूपरेखा भी तय की गई।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि विश्वविद्यालय के इस पाठ्यक्रम को लेकर कई राज्यों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र समेत कई राज्यों से इस पाठ्यक्रम को लेकर पूछताछ हो रही है। इस उत्साह को देखते हुए ऑनलाइन कोर्स लाने का फैसला लिया गया है। कुछ मैटरनिटी अस्पतालों की ओर से

विश्वविद्यालय के साथ जुड़ने और छात्रों को प्लेसमेंट तक देने के भी प्रस्ताव आने लगे हैं।

वैदिक पद्धति का समावेशः

कुलपति ने बताया कि वुमेन स्टडी की समन्वयक अर्चना शुक्ला की ओर से शनिवार को गर्भ संस्कार पर वेबनार आयोजित किया गया। इसमें देश विदेश से डॉक्टरों और विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिया। मुख्य अतिथि वाराणसी की डॉ. नीलम ओहरी थीं।

साथ ही अमेरिकन इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी से डॉ. मुकुल भल्ला, एलयू की डॉ. मधुरिमा प्रधान, काशी विद्यापीठ से दुर्गेश उपाध्याय, केजीएमयू से डॉ.अमिता पांडे, एलयू योग विभाग से डॉ. अमरजीत आदि भी शामिल हुए। वेबनार में विशेषज्ञों व डॉक्टरों ने गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य, मनोरंजन एवं दैनिक दिनचर्या के विषय में योग, मंत्र, वेद, संगीत, परिवार की भूमिका पर चर्चा की।

कुलपति आज करेंगे छात्रों से बात

लखनऊ। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की ओर से रविवार को कोरोना महामारी में उच्च शिक्षण संस्थानों की भूमिका पर कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। फेसबुक के माध्यम से लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय इस मुद्दे पर अपने विचार रखेंगे। सुबह करीब 11.30 बजे से इसकी शुरुआत की जाएगी।